भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
***

प्रेस रिलीज

राष्ट्रपति पुतिन के साथ वार्षिक भारत-रूस शिखर के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 23-24 दिसम्बर को मास्को की यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने भारत सरकार के "मेक इन इंडिया" प्रयास के अनुसार रूस अभिकल्पित नाभिकीय विद्युत रिएक्टरों के लिए भारत में स्थानीय स्तर पर निर्माण करने की कार्य योजना पर हस्ताक्षर किए।

भारत के परमाणु ऊर्जा विभाग तथा रूस के एटॉमिक एनर्जी कॉरपोरेशन "रोस्तम" द्वारा हस्ताक्षरित कार्य योजना रूस प्रौद्योगिकी उपलब्धकर्ताओं तथा भारतीय निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र के निर्मातों के साथ परामर्श करके भारत में स्थानीय स्तर पर निर्माण शुरू करने के लिए निश्चित समय सीमाओं के साथ दोनों पक्षों द्वारा किए जाने वाले विशेष उपायों की रूपरेखा प्रस्तुत करती है। इसमें वर्तमान में रूस में निर्माण किए जा रहे सभी बड़े उपकरण तथा पुर्जे तथा नाभिकीय ईंधन असेम्बली शामिल हैं जो भारत में भविष्य के रूस अभिकल्पित रिएक्टरों के लिए धीरे-धीरे भारत में निर्मित किए जाएंगे।

वर्तमान में, कुडनकुलम यूनिट 3 तथा 4 के लिए स्थानीय स्तर पर किए गए स्थल कार्य के साथ भारत में बड़े उपकरणों का निर्माण पहले से ही कुल परियोजना लागत के लगभग 45 प्रतिशत है। वर्तमान कार्य योजना भारतीय निर्माताओं तथा भारत में स्थापित किए जाने वाले रूस-भारत संयुक्त उद्यम से सामग्रियों तथा उपकरणों के लिए आदेशों के कार्यक्षेत्र को आगे बढ़ाने की मांग करती है। यह परियोजना लागत को कम करने की आवश्यकता के अनुसार संगत होगा तथा नाभिकीय विद्युत संयंत्रों के दीर्घकालिक प्रचालनों को सुनिश्चित करेगा।
यह कार्य योजना भारत में विकसित स्थानीय स्तर की क्षमताओं को तीसरे देशों में रूस सहायता प्राप्त नाभिकीय विद्युत परियोजनाओं से भी जोड़ती है।

वर्ष 2008 से असैन्य नाभिकीय सहयोग के क्षेत्र में रूस के साथ विगत करार में स्थानीयकरण के संबंध में यदा-कदा उल्लेख किया गया है, लेकिन किसी संबद्ध विशिष्टता या समय सीमा के बिना। पहली बार वर्तमान कार्य योजना महत्वपूर्ण स्थानीकरण का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए विशेष पूर्वउपायों तथा उनकी समय सीमा को चिह्नित करती है।

भारत-रूस सिविल नाभिकीय सहयोग के अंतर्गत 1 गीगावाट क्षमता के चार रिएक्टर यूनिटों के लिए परियोजनाएं कुडनकुलन में पहले से कार्यान्वयन के अधीन हैं (यूनिट 1 से 4 तक)। दोनों पक्षों ने 1 गीगावाट क्षमता के कुडनकुलम यूनिटों -5 तथा 6 के लिए सामान्य ढांचा करार को शीघ्र निष्कर्ष पर पहुँचाने के लिए विचार-विमर्श भी शुरू कर दिया है। इसके बाद शीघ्र अंतिम रूप दिए जाने वाले द्वितीय स्थल पर 1.2 क्षमता के छ: नए रिएक्टर यूनिटों के बारे में विचार-विमर्श किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी की मास्को यात्रा के दौरान ही कुडनकुलम यूनिटों 5 तथा 6 की परियोजना के लिए समग्रता समझौता पर न्यूक्लियर पॉवर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड तथा रूसी रिएक्टर आपूर्तिकर्ता एटमस्ट्रोयऐक्सपोर्ट के मध्य हस्ताक्षर हुए।

मुम्बई
24 दिसम्बर, 2015